बीड (महाराष्ट्र) वर्ष-२ ला अंक-१०३ वा रविवार २९ मार्च २०२६ RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत : २ रूपये पन्ने - ४

दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

दिव्यांग क्षेत्र में कार्य करने वाले संस्थानों के लिए पंजीकरण अनिवार्य, बिना रजिस्ट्रेशन काम करना अवैध-तुकाराम मुंडे

मुंबई , जमीर काजी

दिव्यांगजनों के क्षेत्र में कार्य करने वाले संस्थानों और गैर-सरकारी संगठनों (छक्रज्ञ) को लेकर वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तुकाराम मुंडे ने महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि दिव्यांग क्षेत्र में कार्य करने वाली किसी भी संस्था या छक्रज्ञ के लिए राज्य के दिव्यांग आयुक्त के साथ पंजीकरण कराना अनिवार्य है।

तुकाराम मुंडे, जो महाराष्ट्र कैडर के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी हैं और अपने सख्त व पारदर्शी प्रशासन के लिए जाने जाते हैं, ने कहा कि बिना पंजीकरण इस क्षेत्र में कार्य करना कानूनन अवैध है और ऐसे मामलों में दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान है।

उन्होंने बताया कि यह नियम Rights of Persons with Disabilities -ct, २०१६ के अंतर्गत आता है। इस कानून के अनुसार दिव्यांगजनों के लिए सेवा, शिक्षा, पुनर्वास या अन्य सुविधाएं प्रदान करने वाले संस्थानों को निर्धारित मानकों का पालन करते हुए पंजीकरण कराना आवश्यक होता है।

मुंडे ने आगे कहा कि यदि कोई संस्था बिना वैध पंजीकरण के कार्य करती पाई जाती है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसमें जुर्माना सहित अन्य दंडात्मक प्रावधान लागू हो सकते हैं। उन्होंने यह भी जोर दिया कि इस नियम का उद्देश्य दिव्यांगजनों को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराना है।

साथ ही उन्होंने यह स्पष्ट किया कि यह अनिवार्यता विशेष रूप से उन संस्थाओं पर लागू होती है जो सीधे तौर पर दिव्यांगजनों के साथ कार्य करती हैं।

निष्कर्ष:तुकाराम मुंडे के इस बयान से स्पष्ट है कि दिव्यांग क्षेत्र में कार्य करने वाले सभी संबंधित संस्थानों को कानून का पालन करते हुए अनिवार्य रूप से पंजीकरण कराना होगा, अन्यथा उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विशेष संपादकीय

भर्ती कि दौड़ खाकी से पहले कफ़न

काजी मखदूम
मो.नं.९२७०५७४४४४

पुलिस भर्ती देश के युवाओं के लिए सिर्फ नौकरी नहीं, बल्कि सेवा, सम्मान और पहचान का सपना होती है। लेकिन हाल के दिनों में यह सपना कई परिवारों के लिए दुखद हकीकत में बदलता दिख रहा है। पुणे में भर्ती के दौरान युवक की मौत ने पूरे महाराष्ट्र को झकझोर दिया है। इससे पहले बीड और औरंगाबाद में भी ऐसे ही दर्दनाक हादसे सामने आ चुके हैं। बार-बार हो रही ये घटनाएं अब सिर्फ दुर्घटना नहीं कही जा सकतीं। यह भर्ती प्रक्रिया की गंभीर खामियों की ओर इशारा करती हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासन युवाओं की जान की कीमत पर भर्ती करवा रहा है? भर्ती में शामिल होने वाले युवा पहले से ही भारी दबाव में होते हैं। ऐसे में अत्यधिक शारीरिक परीक्षण, खासकर लंबी दौड़, जोखिम भरी साबित हो सकती है। महाराष्ट्र जैसे राज्य में गर्मी का प्रभाव काफी अधिक होता है। फिर भी कई बार भर्ती प्रक्रियाएं तेज धूप या असामान्य मौसम में आयोजित की जाती हैं। यह सीधे तौर पर युवाओं के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है। प्रशासन को सबसे पहले भर्ती के लिए सही मौसम का चयन करना चाहिए। सुबह के ठंडे समय में ही दौड़ और शारीरिक परीक्षण करवाए जाएं। गर्मी के मौसम में भर्ती प्रक्रिया को सीमित या स्थगित करने पर भी विचार होना चाहिए। दूसरा महत्वपूर्ण मुद्दा है स्वास्थ्य जांच का। क्या सभी उम्मीदवारों का पहले से पूर्ण मेडिकल परीक्षण होता है? विशेष रूप से हृदय (हार्ट) से संबंधित जांच अनिवार्य होनी चाहिए। कई युवा बिना अपनी शारीरिक क्षमता जाने ही दौड़ में उतर जाते हैं। भर्ती से पहले ECG, BP और अन्य जरूरी जांच अनिवार्य की जानी चाहिए। यह एक जीवन बचाने वाला कदम साबित हो सकता है। तीसरी कमी है मौके पर पर्याप्त चिकित्सा सुविधा का अभाव। हर भर्ती केंद्र पर एंबुलेंस, डॉक्टर और इमरजेंसी टीम मौजूद रहनी चाहिए। सिर्फ औपचारिक व्यवस्था नहीं, बल्कि सक्रिय और तत्पर टीम जरूरी है।कई बार देखा गया है कि युवक गिरने के बाद समय पर इलाज नहीं मिल पाता। यह देरी जानलेवा साबित होती है। इसके अलावा भर्ती प्रक्रिया का स्वरूप भी संतुलित होना चाहिए। दौड़ के मानक और समय सीमा को वैज्ञानिक आधार पर तय किया जाए। हर उम्मीदवार की शारीरिक क्षमता अलग होती है, इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सरकार को चाहिए कि विशेषज्ञों की समिति बनाकर भर्ती प्रक्रिया की समीक्षा करे। खिलाड़ियों और फिटनेस विशेषज्ञों की सलाह भी इसमें शामिल की जाए। हर भर्ती के बाद एक रिपोर्ट तैयार होनी चाहिए, जिसमें कमियों का विश्लेषण हो। लेकिन अफसोस, अक्सर ऐसी घटनाएं भुला दी जाती हैं। यह सिर्फ एक भर्ती नहीं, बल्कि युवाओं के जीवन का सवाल है। उनके सपनों का, उनके परिवारों की उम्मीदों का सवाल है। जब एक बेटा खाकी पहनने निकलता है और कफ़न में लौटता है, तो यह सिर्फ एक परिवार की नहीं, पूरे समाज की हार होती है। प्रशासन को अब संवेदनशील और जिम्मेदार बनना होगा। नियमों में सुधार करना ही पर्याप्त नहीं, उन्हें सख्ती से लागू भी करना होगा। हर मौत एक चेतावनी है- अगर अब भी व्यवस्था नहीं बदली, तो यह सिलसिला यूं ही चलता रहेगा। खाकी का सपना जीवन देने वाला होना चाहिए, न कि जीवन छीनने वाला।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी व शिवछत्र परिवार की ओर से बीड में कल 'ईद मिलाप' कार्यक्रम

नगराध्यक्षा प्रेमलताताई, शेख मुजीब, मुळूक, निजाम, पटेल, गुंजाळ, नाईकवाडे, बनसोडे, जकीभाई, बिलालभाईने बड़ी संख्या में उपस्थित रहने की अपील की।

संवाददाता: बीड

बीड: ईद-उल-फित्र के अवसर पर बीड शहर में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिवछत्र परिवार की ओर से रविवार, २९ मार्च को शाम ५ बजे से रात ९ बजे तक 'ईद-ए-मिलाप' कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम अकबर कैपिटल, पुरानी अशोक टॉकीज, बशीरगंज, बीड में आयोजित होगा।

इस पहल के माध्यम से सभी धर्मों के बीच प्रेम, एकता और भाईचारे का संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है। नगराध्यक्षा प्रेमलता ताई पारवे, प्रतिनिधि शेख मुजीब, उपनगराध्यक्ष विनोद मुलूक, सभापति शेख निजाम, गटनेता फारूक पटेल, सभापति बालासाहेब गुंजाळ, स्थायी समिति सदस्य अमर नाइकवाडे, सभापति रंजीत बनसोडे, जकी सौदागर तथा उपसभापति शेख बिलाल ने नागरिकों से बड़ी संख्या में उपस्थित रहने की अपील की है।

इस कार्यक्रम में पूर्व मंत्री शिवाजीराव दादा पंडित, राष्ट्रवादी कांग्रेस के प्रदेश सरचिटणीस एवं पूर्व विधायक अमरसिंह पंडित, विधायक विजयसिंह पंडित सहित शहर के कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रहने की संभावना है। नगर पालिका के पदाधिकारी और स्थानीय नेता भी इस अवसर पर मौजूद रहेंगे और नागरिकों को ईद की शुभकामनाएं देंगे।

आयोजकों के अनुसार, इस ईद मिलाप कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सौहार्द बढ़ाना, आपसी संवाद को मजबूत करना और त्योहारों को मिल-जुलकर मनाना है। इसलिए नागरिकों से परिवार सहित इस कार्यक्रम में शामिल होकर आपसी भाईचारा बढ़ाने की अपील की गई है।

उलमा बोर्ड मुतवल्ली विंग, पुणे शहर व जिला कार्यकारिणी घोषित

पुणे संवाददाता

उलमा बोर्ड मुतवल्ली विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष शेख फैसल मोहम्मद इकबाल ने माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना नौशाद सिद्दीकी और महासचिव अल्लामा बुनई हस्नी से चर्चा कर पुणे शहर व जिले की कार्यकारिणी २७ मार्च, शुक्रवार शाम ७ बजे अग्रवाल कॉलोनी, भवानी पेठ स्थित संपर्क कार्यालय में घोषित की।

इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सलीम ए.आर. बागबान (मुतवल्ली विंग), महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष अमान सलीम बागबान (शिक्षा विभाग) की उपस्थिति में पुणे जिला अध्यक्ष आलमगीर युसूफ कुरैशी, जिला उपाध्यक्ष सज्जन अय्यूब इनामदार, पुणे शहर महिला अध्यक्षा किरण राशिद शेख, उपाध्यक्ष राशिद हुसैन पठान, अब्बास बागवान, हनीफ पठान (सचिव), सलीम शेख (मीडिया पुणे अध्यक्ष), पिंपरी-चिंचवड़ शहर अध्यक्ष जाविदमियां जहागिरदार, पिंपरी-चिंचवड़ महिला अध्यक्षा कमरूनीसा शेख, शिरूर तालुका अध्यक्ष हुसैन शाहिद शाह सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई।

इस मौके पर फैसल मुजावर ने बताया कि भारत में, विशेष रूप से महाराष्ट्र में वक्फ की जमीनों के संरक्षण के उद्देश्य से ऑल इंडिया उलमा बोर्ड मुतवल्ली विंग की स्थापना की गई है। रेलवे विभाग के बाद भारत में वक्फ संपत्ति दूसरे स्थान पर आती है। यदि इन वक्फ जमीनों का सही उपयोग समाजहित में किया जाए, तो कोई भी व्यक्ति भूखा या बेरोजगार नहीं रहेगा।

उन्होंने आगे कहा कि वक्फ जमीनों के संरक्षण, अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई तथा मुतवल्ली, ट्रस्टी, मदरसे, आशूरखाना, कब्रिस्तान, चिल्ला, दरगाह, मस्जिद और यतीमखाना से जुड़े मामलों में होने वाली समस्याओं के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाने और वक्फ संपत्तियों को बचाने के लिए संगठन कार्य करेगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष शेख फैसल मोहम्मद इकबाल ने कहा कि जल्द ही संगठन की नई जिला कार्यकारिणी का विस्तार किया जाएगा। जिले के मदरसे, आशूरखाना, कब्रिस्तान, चिल्ला, दरगाह, मस्जिद और यतीमखाना के मुतवल्ली व ट्रस्टियों से अपील की गई है कि वे अपने नाम संगठन में दर्ज कराएं। यह अपील नवनियुक्त सलीम ए.आर. बागबान ने की।

इस अवसर पर उलमा बोर्ड के विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पद नहीं, निष्ठा ही असली पहचान - रुपालीताई चाकणकर के नेतृत्व पर शेख मेहराज का अटूट विश्वास

बीड संवाददाता

२०१२ से २०२६ तक रुपाली ताई चाकणकर के नेतृत्व पर भरोसा रखते हुए उनके साथ मजबूती से खड़े रहने की बात शेख मेहराज ने कही।

राजनीति में पद मिलना या न मिलना अस्थायी होता है, लेकिन निष्ठा और विश्वास स्थायी होते हैं, ऐसी भावना उन्होंने व्यक्त की।

पद मिले तो जिम्मेदारी बढ़ जाती है, और पद न मिले तो भी कार्यकर्ता की भूमिका कम नहीं होती। मैं शुरू से ताई के साथ हूँ और आगे भी किसी भी परिस्थिति में उनके साथ एकनिष्ठ रहूँगा, उन्होंने दृढ़ता से कहा।

उन्होंने यह भी बताया कि रुपाली ताई चाकणकर के नेतृत्व में समाजकार्य और जनसेवा करने की प्रेरणा मिली है। उनके मार्गदर्शन में काम करते रहना ही अपनी असली ताकत है।

कार्यकर्ता को सिर्फ पद से नहीं, बल्कि उसके काम और निष्ठा से पहचाना जाता है। ताई के साथ मेरा रिश्ता विश्वास का है और यह अंत तक ऐसा ही बना रहेगा, शेख मेहराज ने दृढ़ता से कहा।

अजितदादा की याद में...

बिछड़ा कुछ इस अदा से कि रुत ही बदल गई, इक शख़्स सारे शहर को वीरान कर गया।

आदरणीय अजितदादा,

आपके जाने को आज ठीक दो महीने हो गए हैं। फिर भी मन अभी तक इस सच्चाई को मानने को तैयार नहीं है कि आप हमारे बीच नहीं रहे। आज भी कहीं से सलीमजी या सारांगजी की आवाज़ सुनाई देगी, ऐसा लगता है। हर सुबह सात बजे देवगिरी से आने वाले फोन की मैं अभी भी इंतज़ार करता हूँ, लेकिन दो महीनों में एक भी कॉल नहीं आया। मन बार-बार यही सोचता है कि आप किसी विदेश दौरे पर गए हैं और जल्द ही वापस आकर काम संभाल लेंगे।

यह हकीकत स्वीकार करना बेहद मुश्किल हो रहा है कि आप अब हमारे साथ नहीं हैं। हर पल, हर सेकंड आपकी कमी खल रही है।

दादा, मुझे नाशिक के चिंतन शिविर की वो पल आज भी याद है। जब मैं वहाँ अकेला खड़ा था, आपने खुद मेरे पास आकर साथ खड़े हो गए। उस क्षण मुझे लगा कि जैसे पूरी ताकत, लाखों लोगों का साथ मेरे साथ खड़ा हो गया हो। आपके साथ होना हमेशा लाखों की ताकत जैसा महसूस होता था।

आपकी यादें, आपका मार्गदर्शन और आपका विश्वास आज मेरे लिए सबसे बड़ा सहारा और सबसे बड़ी ताकत है। आपकी तरह मैं भी प्रामाणिकता से लोगों की सेवा करता रहूँगा, उनकी समस्याओं को हल करने के लिए हमेशा तैयार रहूँगा।

दादा, आपने हमेशा कहा था - मैं सब ठीक कर दूँगा। आज भी पार्टी में कुछ लोग अनजाने में पार्टी का नुकसान कर रहे हैं, ऐसे वक्त में आपकी बहुत जरूरत महसूस होती है। लेकिन अब मुझे पूरा भरोसा है कि सुनेत्रा वहिनी 'आयरन लेडी २.०' बनकर मजबूती से आगे बढ़ रही हैं। वे बड़े धैर्य और साहस के साथ सही निर्णय ले रही हैं।

मैं आपका निष्ठावान कार्यकर्ता बनकर, आपके दिए हुए शिव-शाहू-फुले-आंबेडकर के महान विचारों पर अडिग रहते हुए आगे बढ़ता रहूँगा। आपने जो जनसेवा का वसा मुझे सौंपा है, उसे मैं और भी ज्यादा समर्पण और मेहनत के साथ आगे बढ़ाता रहूँगा।

दादा, आपकी कमी तो हमेशा रहेगी, लेकिन आपने जो प्रेरणा, जो सिद्धांत और जो रास्ता दिखाया, वह आज भी हम सबको रोशन कर रहा है। आपकी तरह हम भी लोक सेवा, ईमानदारी और सामाजिक न्याय की राह पर बिना रुके चलते रहेंगे।

आपकी याद अमर है दादा।

आपने जो बीज बोए थे, वे आज फल-फूल रहे हैं और भविष्य में भी महाराष्ट्र के लाखों लोगों को नई दिशा और नई उम्मीद देंगे।

लेखक , सलीम सारंग मुंबई

'अनधिकृत' प्रतियोगिताओं में भाग लेने पर खिलाड़ियों को 'आजीवन प्रतिबंध'-महासचिव प्रो.डॉ.चंद्रजीत जाधव

भारतीय व महाराष्ट्र खो-खो एसोसिएशन की कड़ी चेतावनी

काज़ी अमान / बीड

राज्य के खो-खो जगत में बड़ा हलचल पैदा करने वाला निर्णय लेते हुए महाराष्ट्र खो-खो एसोसिएशन ने 'अनधिकृत' प्रतियोगिताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। 'खो-खो इंडिया' या 'खो-खो महाराष्ट्र' के नाम पर आयोजित की जा रही प्रतियोगिताओं में भाग लेने पर खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और निर्णायकों (अंपायरों) पर आजीवन प्रतिबंध लगाया जाएगा, ऐसा स्पष्ट और कड़ा इशारा दिया गया है। संगठन के महासचिव प्रो. डॉ. चंद्रजीत जाधव ने पत्र के माध्यम से सभी जिला संघों को यह निर्देश भेजा है।

अधिकृत मान्यता केवल भारतीय खो-खो महासंघ को; भ्रामक प्रतियोगिताओं से सावधान रहें!

भारतीय खो-खो महासंघ (KKFI) ही भारत सरकार, भारतीय ओलंपिक संघ और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त एकमात्र संस्था है तथा महाराष्ट्र खो-खो एसोसिएशन उसकी आधिकारिक राज्य इकाई है। लेकिन पिछले कुछ समय से 'खो-खो इंडिया' के नाम से समानांतर और अनधिकृत प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं, जिससे खिलाड़ियों में भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेने से खिलाड़ियों के आधिकारिक करियर पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है, ऐसा भी चेतावनी दी गई है।

स्पष्ट निर्देश: अनधिकृत गतिविधियों से पूरी तरह दूर रहें

हाल ही में पुणे में आयोजित बैठक में एसोसिएशन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने स्पष्ट रूप से कहा कि अनधिकृत प्रतियोगिताएं, चयन ट्रायल, प्रशिक्षण शिविर या अंपायर परीक्षाओं में किसी भी परिस्थिति में भाग नहीं लेना चाहिए। पहले अनजाने में शामिल हुए खिलाड़ियों और कार्यकर्ताओं को लिखित माफीनामा और आश्वासन पत्र देने पर उनके खिलाफ की गई पुरानी कार्रवाई वापस ली जाएगी। इसके लिए ५ अप्रैल २०२६, अगली शासकीय बैठक से पहले यह माफीनामा देना अनिवार्य किया गया है, ऐसा महासचिव जाधव ने बताया। इसके बाद भी नियमों का उल्लंघन करने वालों पर स्थायी प्रतिबंध लगाया जाएगा।

अधिकृतता केवल 'भारतीय खो-खो महासंघ' के पास ही

भारत में खो-खो खेल के नियमन, प्रशासन और आधिकारिक प्रतियोगिताओं के आयोजन का अधिकार केवल भारतीय खो-खो महासंघ (KKFI) के पास है। यह संस्था भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त एकमात्र राष्ट्रीय खेल महासंघ (NSF) है। साथ ही यह भारतीय ओलंपिक संघ (IO-), एशियाई खो-खो महासंघ (-घघक्र) और अंतरराष्ट्रीय खो-खो महासंघ (खघघक्र) से संबद्ध देश की एकमात्र वैध संस्था है। इसलिए इस संस्था की मान्यता के बिना आयोजित किसी भी प्रतियोगिता को कानूनी आधार प्राप्त नहीं होता। इस संबंध में भारतीय खो-खो महासंघ के महासचिव उपकार सिंह विर्क ने २ मार्च २०२६ को आधिकारिक पत्र जारी कर चेतावनी दी है।

तल स्तर तक संदेश पहुंचाने की अपील

गलत जानकारी के कारण खिलाड़ियों को नुकसान न हो, इसके लिए जिला संघों को यह संदेश जमीनी स्तर तक खिलाड़ियों, खेल मंडलों और प्रशिक्षकों तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। खो-खो खेल की प्रतिष्ठा, अनुशासन और आधिकारिक संरचना बनाए रखने के लिए सभी का सहयोग आवश्यक है, ऐसा प्रो. डॉ. चंद्रजीत जाधव ने कहा।

प्रतिक्रिया: खिलाड़ियों को सही मार्ग चुनना चाहिए

कई खिलाड़ी अनधिकृत संगठनों के जाल में फंसकर अपना करियर जोखिम में डाल देते हैं। खिलाड़ियों को केवल अधिकृत जिला, राज्य और राष्ट्रीय संघों की प्रतियोगिताओं को ही प्राथमिकता देनी चाहिए, ताकि उन्हें सरकारी सुविधाओं और भविष्य के अवसरों का लाभ मिल सके, ऐसा स्पष्ट मत प्रो. डॉ. चंद्रजीत जाधव ने व्यक्त किया।

खानाबदोश जिंदगी

रोज़मर्रा की खानाबदोश जिंदगी
दिल-ओ-जान से जिए जा रहे है
पता नहीं क्या पाना चाहते है,
पता नहीं कहा जाना चाहते है

सीखा नागरिकशास्त्र, गणित और भाषाएँ
सीखा इतिहास, भूगोल और विज्ञान
अब तक नहीं मिटा पाये है मगर
अपने अंदर का गहरा अज्ञान

घर गाड़ी दौलत ही है सब कुछ
हमे बचपन से सिखाया
सब कुछ तो हमने है पाया
खोकर सुख, चैनऔर और खुशिया

पैदल, साइकिल, बाइक, कार
इस सीडी को ही तरक्की माना
लगातार दौड़े जा रहे रफ़्तार से
पर अब तक ना मिला ठिकाना

कुछ भी किया तो मैंने किया
जो कुछ है तो सबकुछ है मेरा
औरों को देना, ओरों की सोचना
भूला गया है हमारे स्वार्थ का घेरा

पहनकर भौतिक दुनिया की जंजीरे
वासनाओं का जाल ओढ़ा है अखंड
थक गए है पर समझ नहीं पाए
ये सब कुछ जो है, सब है पाखंड

बाहर ही ढूँढ रहे है ख़ुद का पता
बाहर ही ढूँढ रहे है ख़ुद का आनंद
समझों प्यारे इस दुनिया में शाश्वत है
सिर्फ़ अपने अंदर का सच्चिदानंद

कवि : जगदीश मंगल पांडुरंग गोसावी
स्थल: सिल्वेनिया, पुणे

जालना में शाहीन अकादमी की ब्रांच के स्थापना के अवसर पर भव्य समारोह का आयोजन

जालना: संवाददाता

पिछले दिन २७ मार्च, शुक्रवार को सिटी लॉन्स जालना में शाहीन अकादमी की ब्रांच के स्थापना के उपलक्ष्य में अत्यंत भव्य समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में शाहीन अकादमी बीदर के डायरेक्टर डॉ. अब्दुल कादिर साहब ने भाग लिया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता मुज्तबा अ'ूक साहब ने की।

कार्यक्रम के कन्वीनर शेख मुजीब, जो जमात-ए-इस्लामी महाराष्ट्र के सेक्रेटरी हैं, ने जालना में स्थापित हो रही शाहीन अकादमी की ब्रांच के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मुहम्मद मुनीब मुज्तबा फ़ारूक ने शाहीन अकादमी की देश स्तर पर चल रही शैक्षणिक गतिविधियों का उल्लेख किया।

मौलाना सैयद नसरुल्लाह हुसैनी सुहैल नदवी, जो जमीअत उलमा अरशद मदनी मराठवाड़ा के उपाध्यक्ष हैं, ने कुरानी आयत इक़रा बिस्मि रब्बिकल्लजी ख़लक़... के संदर्भ में ज्ञान की आवश्यकता और महत्व पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि हर वह ज्ञान बेकार है जो ख़ुदा-ए-इज्जत के विचार के बिना हो, बल्कि वह मानवीय समाज के लिए हानिकारक और नुकसानदायक साबित होता है।

अल्लाह रब्बुल इज्जत इस आयत में यही फरमान देते हैं कि ज्ञान प्राप्त किया जाए, लेकिन उसके साथ ख़ुदा-शनासी भी हो। ज्ञान का अल्लाह के नाम से जुड़ा होना ज़रूरी है। यदि ज्ञान अल्लाह के नाम से जुड़ा होगा तो वह भलाई और कल्याण का साधन बनेगा, अन्यथा वह विनाश और बरबादी का कारण बन जाएगा।शाहीन अकादमी पूरे देश में अपनी सैकड़ों शाखाओं के माध्यम से मुस्लिम बच्चों के शैक्षणिक स्तर को ऊंचा उठाने के साथ-साथ उनके धार्मिक व्यक्तित्व और इस्लामी माहौल में प्रशिक्षण देने के लिए प्रयासरत है, जो इसका विशेष गुण है। देश के वर्तमान माहौल में मुस्लिम छात्रों को जो पूर्वाग्रह, लादीनियत और उनके अपने इस्लामी सामाजिक मूल्यों से जुड़े खतरे पैदा हो रहे हैं, उनसे बचाव की दृष्टि से शाहीन अकादमी न केवल उन्हें शैक्षणिक उन्नति उपलब्ध कराती है, बल्कि इन सभी खतरों से सुरक्षा भी प्रदान करती है, जो इस युग की अत्यंत आवश्यकता है। डॉ. अब्दुल कादिर साहब ने भी शाहीन अकादमी का व्यापक परिचय प्रस्तुत किया। जनाब मुज्तबा फ़ारूक साहब ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि जालना में शाहीन अकादमी की शाखा का जो स्थापना किया जा रहा है, उसे नई नीयमत समझते हुए अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए इसमें दाखिला दिलवाएं।

इस कार्यक्रम में शहर जालना के मेयर और डिप्टी मेयर ने भाग लिया। साथ ही जनाब इक़बाल पाशा साहब, मौलाना सैयद नसरुल्लाह हुसैनी सुहैल नदवी, अब्दुल हफ़ीज़ पत्रकार, अय्यूब ख़ान (जनरल सेक्रेटरी, जमीअत उलमा जिला जालना), मुस्लिम कारोबारी, शेख अब्दुल माजिद, फ़िरोज़ अली मौलाना (कायद विकास परिषद) और शहर के वैज्ञानिक, धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक तथा सामाजिक क्षेत्र के प्रमुख व्यक्तियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।जनता, ख़ास लोगों और महिलाओं की भारी उपस्थिति के कारण सिटी लॉन्स जालना खचाखच भरा हुआ था।

बिना सबूत के आरोपों से बचें, उपलब्ध जानकारी SIT को सौंपी जाए

पिछले फैसलों की भी जांच होनी चाहिए, सबके लिए समान सिद्धांत जरूरी: आनंद प्रांजपे

ठाणे: जमीर काजी

विकास लवांडे की आलोचना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एनसीपी के प्रवक्ता आनंद प्रांजपे ने कहा कि खरात मामले में सरकार की ओर से गंभीर और सख्त कदम उठाए जा रहे हैं, इसलिए बिना पुष्टि वाले आरोपों के बजाय ठोस सबूतों के साथ बात की जानी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस संवेदनशील मामले को राजनीतिक रंग देने के बजाय इसकी निष्पक्ष जांच जरूरी है।

प्रांजपे ने कहा कि देवेंद्र फड़नवीस ने विधानसभा में खुद इस बात का विस्तार से ब्यौरा दिया है कि महायुति सरकार ढोंगी बाबा अशोक खरात के खिलाफ किस तरह कार्रवाई कर रही है। उन्होंने बताया कि गृह मंत्री के रूप में मुख्यमंत्री खुद इस पूरे मामले की निगरानी कर रहे हैं और जो भी व्यक्ति सीधे या परोक्ष रूप से खरात की मदद में शामिल पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने रूपाली चाकणकर के पद से इस्तीफे का हवाला देते हुए कहा कि पार्टी का रुख बिल्कुल स्पष्ट है कि इस मामले में पूर्ण पारदर्शिता के साथ जांच होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उनके अनुसार, किसी भी व्यक्ति को कानून से ऊपर नहीं माना जाएगा।

विकास लवांडे के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रांजपे ने कहा कि शुरुआत से ही लगातार आरोप लगाए जा रहे हैं, जबकि अब कुछ वरिष्ठ नेताओं को सह-आरोपी बनाने की मांगें भी सामने आई हैं, जिससे मामला और जटिल हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह के बयानों से जनता में भ्रम पैदा होता है, इसलिए जिम्मेदारी के साथ बात की जानी चाहिए।

प्रांजपे ने पूर्व सरकार के दौरान के कुछ फैसलों का हवाला देते हुए सवाल किया कि जब जल संसाधन विभाग महाविकास अघाड़ी सरकार के पास था, तब एक ट्रस्ट को पानी की आपूर्ति का फैसला किन आधारों पर और किसके आदेश से किया गया। उन्होंने कहा कि इस सिलसिले में कुछ पूर्व जिम्मेदार लोगों के खरात के साथ संबंधों के संदर्भ में तस्वीरें और मुलाकातों की खबरें भी सामने आई हैं, इसलिए यदि समान सिद्धांत अपनाए जाएं तो इन पहलुओं की भी जांच होनी चाहिए।

प्रांजपे ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति वास्तव में पारदर्शिता और न्याय पर विश्वास रखता है तो उसे अपने पास उपलब्ध जानकारी और सबूतों को डखढ को सौंपना चाहिए ताकि जांच को मजबूत बनाया जा सके। उनके अनुसार, सोशल मीडिया या सार्वजनिक बयानों के जरिए आरोप लगाने के बजाय कानूनी प्रक्रिया को मजबूत बनाना ज्यादा प्रभावी तरीका है।

उन्होंने पार्टी के आंतरिक अनुशासन पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि सभी फैसले व्यवस्थित और तयशुदा प्रक्रिया के तहत किए जाते हैं और नेतृत्व के तहत पार्टी लगातार आगे बढ़ रही है। उन्होंने विपक्ष के अंदर नेतृत्व के संदर्भ में भ्रम पर भी सवाल उठाया और कहा कि अलग-अलग बयानों से यह स्पष्ट नहीं हो रहा कि फैसला लेने का केंद्र कहां है।

प्रांजपे ने सामाजिक कार्यकर्ताओं और अन्य संबंधित व्यक्तियों से भी अपील की कि यदि उनके पास खरात मामले से संबंधित कोई प्रमाणित जानकारी या सबूत मौजूद हैं तो वे उन्हें जांच एजेंसियों को सौंपें ताकि सच्चाई सामने आ सके। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकार इस मामले में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगी और सभी पहलुओं का परीक्षण कर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

डॉलर के मुकाबले रुपया ऐतिहासिक गिरावट पर, ९५ के करीब पहुंचा

नई दिल्ली / विशेष संवाददाता

भारतीय मुद्रा रुपया ने मार्च २०२६ में ऐतिहासिक गिरावट दर्ज करते हुए अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पहली बार ९४ के स्तर को पार कर लिया है। अब तक का सबसे निचला स्तर है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि वैश्विक परिस्थितियां ऐसी ही बनी रहीं, तो आने वाले दिनों में रुपया ९५ के स्तर को भी छू सकता है। इस गिरावट के पीछे मुख्य कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल, पश्चिम एशिया में जारी तनाव और विदेशी निवेशकों की निकासी को माना जा रहा है। भारत जैसे आयात-निर्भर देश पर इसका सीधा असर पड़ रहा है, जिससे मुद्रा पर दबाव बढ़ा है। आर्थिक जानकारों का कहना है कि रुपये की कमजोरी से महंगाई बढ़ सकती है, खासकर पेट्रोल, डीजल और अन्य आयातित वस्तुओं की कीमतों में इजाफा देखने को मिल सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) स्थिति पर नजर बनाए हुए है और मुद्रा को स्थिर रखने के लिए आवश्यक कदम उठा सकता है।

हालांकि, सोशल मीडिया पर चल रहे दावों के विपरीत, रुपया अभी तक ९५ के स्तर को पार नहीं कर पाया है, लेकिन यह उसके बेहद करीब पहुंच चुका है।

ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, रुपया लगभग ९४.८० से ९४.८५ प्रति डॉलर के आसपास कारोबार कर रहा है, जो

पुणे पुलिस भर्ती में दौड़ के दौरान युवक की मौत

पुने संवाददाता

पुणे में पुलिस भर्ती प्रक्रिया के दौरान एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां दौड़ के दौरान एक युवक की मौत हो गई। यह घटना पुणे के शिवाजीनगर स्थित पुलिस मुख्यालय मैदान में हुई, जहां भर्ती की शारीरिक परीक्षा चल रही थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस भर्ती के तहत १६०० मीटर की दौड़ आयोजित की गई थी। इसी दौरान बुलढाणा जिले के २३ वर्षीय युवक पुरुषोत्तम बारकुल ने दौड़ में भाग लिया। वह दो राउंड सफलतापूर्वक पूरा कर चुका था, लेकिन तीसरे राउंड के दौरान अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई।

दौड़ते समय युवक को अचानक दौरा (फिट) आया और वह मैदान पर ही बेहोश होकर गिर पड़ा। वहां मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों ने तुरंत उसे प्राथमिक सहायता देने की कोशिश की और बिना देर किए अस्पताल ले जाया गया।

हालांकि, अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उसकी मौत हो गई। इस घटना से भर्ती स्थल पर मौजूद अन्य उम्मीदवारों में भय और तनाव का माहौल पैदा हो गया।

प्राथमिक तौर पर माना जा रहा है कि अत्यधिक शारीरिक दबाव या स्वास्थ्य संबंधी समस्या के कारण यह घटना हुई। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। इस घटना ने एक बार फिर भर्ती प्रक्रिया के दौरान स्वास्थ्य सुविधाओं और सुरक्षा इंतजामों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

शीतकरी संघर्ष न्याय यात्रा ३० मार्च को

मुंबई: संवाददाता

कांग्रेस पार्टी की ओर से किसानों के अधिकारों की प्राप्ति के लिए 'शीतकरी संघर्ष न्याय यात्रा' का ऐलान किया गया है। इसके तहत सोमवार ३० मार्च को जिला धाराशिव उस्मानाबाद के सूरत गांव से तुलजापुर तक एक पैदल मार्च निकाला जाएगा। यह यात्रा कांग्रेस के राज्य अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल की अगुवाई में आयोजित होगी, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में किसानों के शामिल होने की उम्मीद है।

इस यात्रा की शुरुआत सुबह ८ बजे सोलापुर-तुलजापुर मार्ग पर स्थित सूरत गांव से होगी, जबकि शाम ५ बजे तुलजापुर के शारदा हॉल में एक सार्वजनिक सभा के साथ इसका समापन किया जाएगा। पार्टी के अनुसार यह कदम किसानों की समस्याओं को उजागर करने और उनके अधिकारों के लिए मजबूत आवाज उठाने की कोशिश का हिस्सा है।

कांग्रेस ने वर्तमान भाजपा सरकार की नीतियों की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि उद्योगपतियों के पक्ष में झुकाव वाली नीतियों के कारण किसान गंभीर समस्याओं का शिकार हो गए हैं। बयान में कहा गया कि किसानों को अपनी फसलों की उचित कीमत नहीं मिल रही है और किसानों की आय दोगुनी करने के दावे व्यावहारिक रूप से पूरे नहीं हो सके।

पार्टी ने यह भी आरोप लगाया है कि सरकार अब तक न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी रूप देने में नाकाम रही है, हालांकि इस संबंध में कई घोषणाएं की गई थीं। इसके अलावा कहा गया कि निर्धारित मूल्य से कम पर खरीदारी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के वादे भी सिर्फ कागजों तक सीमित रहे हैं। कांग्रेस के अनुसार किसानों की आत्महत्याओं में वृद्धि एक चिंताजनक रुझान है, जबकि केंद्र सरकार की कुछ अंतरराष्ट्रीय व्यापार नीतियों से भी कृषि क्षेत्र पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहे हैं। पार्टी का मानना है कि ऐसे फैसलों से भारत में कृषि और किसान दोनों को नुकसान पहुंचने का खतरा है।

पार्टी ने स्पष्ट किया कि वह किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए संसद, राज्य विधानसभाओं और जन स्तर पर निरंतर संघर्ष कर रही है। इसी क्रम की एक कड़ी के रूप में इस यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। किसानों से अपील की गई है कि वे बड़ी संख्या में इसमें शामिल होकर अपने अधिकारों की आवाज को मजबूत करें।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com
daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com